

# असाधारग EXTRAORDINARY

भाग---II खण्ड 3---उप-खण्ड (ii)

PART—II Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

Hi 6 462]

नई विल्ली, मंगलवार, नवम्बर 6, 1979/कार्तिक 15, 1901 NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 6, 1979/KARTIKA 15, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### उद्योग मंत्रालय

(भ्रौद्योगिक विकास दिभाग)

## त्रधिसचनःएं

नई दिल्ली, 6 नवस्बर 1979

का ब्ला० 642 (का) द्राई की धार ए/28 की 79-1.— के बीय मरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) ध्रीक्षित्तयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे प्रत्येक धौद्योगिक उपक्षम को, जो पूर्णतः या भागतः उन से निम्निखित सभी या किसी किस्म के, ध्रूपि वस्टेंड, पुनरात उन या उन्हें (ध्रूपित् देशी उन पर ध्राधारित) सन्तु के कातने में न तो लगा है धौर न लगने की प्रस्थापना है, धौर जिसकी कुल क्षमता 1200 स्पिण्डल तक है उक्त ध्रिवियम की धारा 10, 11, 11-क धौर 13 तथा उसके ध्रधीन बनाए गए नियमों के प्रवर्तन से, निम्निखित मती के ब्राधीन रहने हुए, छूट देती है, प्रधातः—

(1) भौद्योगिक उपक्रम, या तो कम्पनी भ्रिधिनियम, 1956 1956 का 1) की धारा 617 में यथा परिभाषित सरकारी कम्पनी या ऊनी (भ्रष्यींत् देशी ऊन पर भ्राधारित), वस्टेंड या पुनराप्त ऊन तन्तु के कातने में लगी भ्रथवा ऊनी हस्तप्रिचित कालीन या ऊनी हथकरधा बस्त्र बुनने या ऊनी होजरी के विनिर्माण में लगी रिजस्ट्रीकृत सहकारी सांसाइटी के स्थामिस्व में है।

- (2) विनिधित यस्तु भारत सरकार के भूतपूर्व धौद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की समय-समय पर यथा संगोधित, अधिसूचना सं कार्या प्रा 98 ई/ब्राइ बी ब्रार ए/29वी/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 की ब्रनुसूची में विनिदिष्ट वस्तु नहीं है ।
- (3) ऐसा श्रीवोगिक उपक्रम तथा एकाधिकार अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम 1969, (1969 का 54) या विवेशी मृत्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की परिधि में नहीं आता है।
- (4) श्रीयोगिक उपकम निम्नलिखित स्थान पर न तो अवस्थित है श्रीर न श्रवस्थित होने की प्रस्थापना है:
  - (क) किसी ऐसे नगर की मानक नगरीय क्षेत्र सीमा के भीतर, जिसकी जनमंक्या 1971 की जनगणना के अनुसार यथा अभिनिश्चित दस लाख से अधिक है, या
  - (ख) किसी ऐसे नगर की नगरपालिक सीमाध्रों के भीतर, जिसकी जनसंख्या, 1971 की जनगणना के ध्रनुसार यथा अभिनिध्यत पांच लाख से भिष्ठक है।
- (5) भौषोगिक उपक्रम भ्रपना रजिस्ट्रीकरण वस्त्र भ्रायुक्त के यहां कराएगा भौर भौषोगिक उपक्रम रजिस्ट्रीकरण भौर भ्रावागिक जिल्हा करण भीर भ्रानुकापन नियम, 1952 में उपाबद्ध प्रकृप 'छ' में उपक्रम द्वारा की गई प्रगति के बारे में एक विवरणी देगा तथा प्रस्थेक मास वस्त्र भ्रायुक्त को उत्पादन विवरणियों भी ऐसे प्रकृप में देगा बी उक्त नियमों के उपबन्धों के भ्रधीन भ्राधिसूचिन किया आए ।

2. यह प्रधिसुचना समय-समय पर यथा मंशोधित, ऊपर निर्देष्ट भ्रधिसूचना सं० का० श्रा० 98ई/माई डी भार ए/29 बी/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 के श्रातिरिक्त है न कि उसके ग्रत्पीकरण में ।

[सं॰ 12/189/79-एल पी]

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## (Department of Industrial Development) NOTIFICATIONS

New Delhi, the 6th November, 1979

- New Delhi, the 6th November, 1979

  S.O. 642(E)/IDRA/29B/79-I.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby exempts every industrial undertaking engaged or proposed to be engaged in the spinning of all or any of the following kinds of yarn, namely, worsted; shoddy or woollen (i.e., based on indigenous wool) yarn, either wholly or partially from wool, having a total capacity upto 1200 spindles per undertaking, from the operation of sections 10, 11, 11A and 13 of the said Act and the rules made thereunder, subject to the following conditions, namely: following conditions, namely:
  - (i) The industrial undertaking shall be owned either by a Government Company as defined in section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or a registered cooperative society engaged in the spinning of woollen (i.e., based on indigenous wool), worsted or shoddy yarn or in the manufacture of woollen hand-knitted carpets or woollen handloom weaving or woollen hosiery.
  - (ii) The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule I to the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, as amended from time to time.
  - (iii) Such industrial undertaking does not fall within the purview of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), or within the purview of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973, (46 of 1973).
  - (iv) The industrial undertaking is not located or proposed to be located-
    - (a) within the standard urban area limit of a city, having a population of more than one million as ascertained at the 1971 census; or
    - (b) within the municipal limits of a city, having a population of more than five lakhs, as ascertained at the 1971 Census.
  - (v) The industrial undertaking shall register itself with the Textile Commissioner and shall furnish a return in Form G appended to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, in respect of progress made by the undertaking and shall also submit production returns every month to the Textile Commissioner in such Form as may be notified under the provisions of the said Rules.
- 2. This notification is in addition to and not in derogation of the Notification No. S.O. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, referred to above, as amended from time to time.

[No. 12]189|79-LP]

कार ग्रा 643(भा) ग्राई की ग्रार ए/29भी/74 2- शेन्द्रीय सरकार, जहाीन (विकास भीर विनियमन) श्रिधिनियम, 195 (1951 का ( ) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गर्हि यों का प्रयोग करते हुए, ऐसे प्रत्येक भ्रीधोगिक उपक्रम को, जिस की कुल क्षमता प्रति उपक्रम 1200 स्पिंडिल से कम है भीर जो ऊन से पूर्णतः या भागनः बस्टैंड या ऊनी तन्तु प्रथवा दोनों (पुनराप्त ऊन से भिन्न) के कातने में लगा है, उक्त प्रधिनियम की धारा 13 और उसके प्रधीन बनाए गए नियमों के प्रवर्तन से निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन रहते हुए, छूट देती है, जिससे कि प्रति उपक्रम कुल क्षमता का विस्तार 1200 स्पिण्डिल तंक हो सके, भ्रयातः--

(1) विनिर्मित वस्तु, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रीग्रीमिक विकास भंजालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग) की समय-समय पर

- यथा सभोधित प्रधिसूचना सं० 98ग्र/ग्राई की ग्रा $^{\prime}$  ए/29ख/1973 की श्रनुसूची 1 में 73<sup>1</sup>1, दारीख 16 फरवरी, यथा विनिविद्य बस्तु नही है।
- (2) ऐमा श्रीद्योगिक उपक्रम, एकाधिकार तथा श्रवरोधक व्यापारिक व्यवहार प्रधिनियम, 1969(1969 का 54) या विदेशी मुद्रा विनियम प्रधिनियम, 1973 (1973 का 46) की परिधि के भन्तर्गत नहीं आता है।
- (3) श्रीधोगिक उपक्रम निस्तिलिखन स्थान पर ग्रवस्थित न हो :--
  - (क) किसी ऐसे नगर की मानक नगरीय क्षेत्र सीमा के भीतर, जिसकी जनसंख्या 1971 की जनगणना के प्रनुसार यथा प्रभिनिष्चित दस लाख से अधिक है, या
    - (ख) किसी ऐसे नगर की नगरपालिक सीमाक्रों के भीतर, जिसकी जनसंख्या, 1971 की जनगणना के प्रनुसार यथा ग्रभिनिश्चित पाच लाखा से ग्रधिक है।
- (4) श्रीबोगिक उपक्रम ग्रपना रिजस्ट्रीकरण वस्त्र ग्रायुक्त के यहां कराएगा और श्रोद्योगिक उपक्रम रजिस्ट्रीकरण श्रोर श्रनुझापन नियम, 1952 से उपाबद्ध प्ररूप 'छ' में उपक्रम द्वारा की गई प्रगति के बारे में एक विवरणी देगा तथा प्रत्येक मास वस्त्र ग्रायुक्त को उत्पादन विवरणिया भी ऐसे प्ररूप में देगा जो उक्त नियमों के उपबन्धों के श्रधीन श्रधिसूचना किया जाए।
- 2. यह श्रिधसुचना समय-समय पर यथा संगोधित ऊपर निर्दिष्ट प्रिक्षसूचना सं० का० ग्रा० 98ई/माई डी ग्रार ए/29 बी/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 के भ्रातिरिक्त है न कि उसके भ्रत्पीकरण में।

[म॰ 12/189/79-एल पी] की राय, संयक्त सचिव

- S.O. 643(E)/IDRA/29B/79-II.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby exempts from the operation of section 13 of the said Act and the rules made thereunder, every industrial undertaking having a total capacity of less than 1200 spindles per undertaking and engaged in the spinning of worsted or woollen yarn or both (other than shoddy yarn), either wholly or partially from wool, so as to enable the expansion of its total capacity upto 1200 spindles per undertaking, subject to the following conditions namely: per undertaking, subject to the following conditions, namely:-
  - (i) The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule I to the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. 38E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, as amended from time to time.
  - (ii) Such industrial undertaking does not fall within the purview of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), or within the purview of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).
  - (iii) The industrial undertaking is not located-
    - (a) within the standard urban area limit of a city, having a population of more than one million as ascertained at the 1971 Census; or
    - within the municipal limits of a city, having a population of more than five lakhs, as ascertained at the 1971 Census. (b) within the
  - (iv) The industrial undertaking shall register itself with the Textile Commissioner and shall furnish a return in Form G appended to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, in respect of progress made by the undertaking and shall also submit production returns every month to the Textile Commissioner in such Form as may be notified under the provisions of the said Rules.
- 2. This notification is in addition to and not in derogation of notification No. S.O. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, referred to above, as amended from time to time.

[No. 12|189|79-LP] B. ROY, Jt. Secv.